PART-A

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। 20x02=40

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

प्रश्नः (1.1) (A) सप्त सैंधव प्रदेश। — पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (A) सप्त सैंधव प्रदेश का नामकरण – सात नदियों के कारण सप्त सैंधव प्रदेश का नामकरण हुआ। सिंधु नदी + सिंधु की 5 सहायक नदी + सरस्वती नदी। ऋग्वेद में आर्यों का निवास स्थल है "सप्तसिंधु प्रदेश"।

प्रश्नः (1.2) (B) दिल्मुन। — पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (B) दिल्मुन अरब में खाड़ी-भाषी राज्य था जो ई.पू. तीसरी सदी से आरम्भ हुआ। यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र था। मेसोपोटामिया के लोगों ने एक व्यापार भागीदार, तांबे के स्रोत और व्यापार उद्यमी के रूप में लिया।

प्रश्नः (1.3) (C) उपसंपदा। — पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (C) उपसंपदा – बौद्ध धर्म में विधिपूर्वक स्वयं को समर्पित कर आचार्य का शिष्य बनना। थेरवाद परंपरा में होता है यह बौद्ध धर्म के समान है। भिक्षु बनता है।

प्रश्नः (1.4) (D) कनकूत पद्धति।
अकबर के समय की राजस्व निर्धारण की प्रणाली थी। — पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (D) कन का अर्थ → अनाज, कूत का अर्थ – अनुमान। इसके अनुसार फसल को तीन अलग-अलग श्रेणियों में काटा जाता था-
(1) अच्छा (2) मध्यम (3) खराब।

प्रश्नः (1.5) (E) सामूगढ़ का युद्ध। — पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (E) सामूगढ़ का युद्ध – 29 मई 1658 ई० को मुगल बादशाह शाहजहाँ के पुत्रों – दाराशिकोह और औरंगजेब तथा मुराद बख्श की संयुक्त सेनाओं के मध्य लड़ा गया था। विजयश्री → औरंगजेब को मिली थी।
दाराशिकोह की हार का कारण :- अपने हाथी से नीचे उतर जाना।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न 02 (धो) अंकों का है। 20x02=40

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

प्रश्नः (1.6) (F) दीन -ए- इलाही - पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (F) 1582 ईस्वी में मुगलसम्राट अकबर ने एक समरूप धर्म की स्थापना की। सभी धर्मों के मूल तत्वों को डाला, इसमें प्रमुखता हिंदू एवं इस्लाम धर्म थे। पारसी, जैन, ईसाई धर्म के मूल विचार भी थे।

प्रश्नः (1.7) (G) रंपा विद्रोह। पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (G) रंपा विद्रोह को मान्यम विद्रोह भी कहते हैं। 1922 में हुआ था। नायक - अल्लूरी सीताराम राजू। यह एक आदिवासी विद्रोह था। कारण :- 1882 के मद्रास वन अधिनियम को लागू करना। ब्रिटिश राज के खिलाफ।

प्रश्नः (1.8) (H) चिनसुरा का युद्ध। पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (H) चिनसुरा की लड़ाई जिसे बिदेरा की लड़ाई या हुगली की लड़ाई भी कहते हैं। 25 नवम्बर 1759 को चिनसुराह (बंगाल) स्थान पर डच और ब्रिटिश के बीच हुयी थी। परिणाम - ब्रिटिश विजय।

प्रश्नः (1.9) (I) वायकोम सत्याग्रह। पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (I) स्थान - किंगडम ऑफ त्रावनकोर, वायकोम महादेव मंदिर। शुरू हुआ - 1924 खत्म हुआ - 1925 कारण - यह केरल में दलित वर्गों के मंदिर प्रवेश के लिए आंदोलन था। नेतृत्वकर्ता - टी के माधवन, केलप्पन।

प्रश्नः (1.10) (J) पंजाब मेल हत्याकांड। पू./M = 02 प्राप्तांक

स्थान :- मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में।

उत्तर (J) तारीख - 24 जुलाई 1931। बलबीर पंचसिंह (दमोह निवासी) देवनारायण तिवारी और दलपत राव ने किया था। हत्या - हैक्सल और मैकड शाहन की।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। 20x02=40

Quc. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

प्रश्नः (1.11) (K) मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद् । पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (K) स्थापना – मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 1980 में स्थापित। उद्देश्य – आदिवासी कलाओं को प्रोत्साहित, संरक्षण और विकास करना है। "चौमासा" इसका प्रतिष्ठित प्रकाशन है।

प्रश्नः (1.12) (L) मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी। पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (L) स्थापना – भोपाल में जुलाई 1969। उद्देश्य – क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों हेतु पाठ्य सामग्री का निर्माण। भारत सरकार मानव संसाधन मंत्रालय की पहल है।

प्रश्नः (1.13) (M) झलकारी बाई। पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (M) जन्म – 22 नवम्बर 1830, भोजला। मृत्यु – 1858 झांसी। प्रसिद्धि कारण – महारानी लक्ष्मीबाई के साथ भारतीय स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान देना। महत्वपूर्ण कार्य :- झांसी की रानी का रूप धारण कर अंग्रेजों को चकमा दिया था।

प्रश्नः (1.14) (N) ज्योति कैपल भवन। पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (N) निर्माण – सन् 1911। सिंधिया रियासत के समय महाराजा माधव राव सिंधिया (प्रथम) ने बनवाया था। स्थापित – माधव नेशनल पार्क के अंदर अपने उच्चतम बिंदु पर समुद्रतल से 484m की ऊंचाई पर है।

प्रश्नः (1.15) (O) शेख रमजान। पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (O) सन् 1857 में सागर में पैदल सेना के सूबेदार शेख रमजान ने बुलंद किया था। स्थान – सागर। ये 42वीं पैदल सेना के वरिष्ठ सूबेदार थे।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियां होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे है उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

प्रश्नः (2.1) (A) भारत में द्वितीय नगरीकरण के कारणों पर प्रकाश डालिए ? पू./M = 05 प्राप्तांक

उत्तरः (A) छठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारत में दूसरा नगरीकरण शुरू हुआ। भारत में द्वितीय नगरीकरण के कारण-(1) क्षेत्रीय राजनीति का उदय - कुछ क्षेत्र, जो राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों के केन्द्र थे, शहरों के रूप में उभरे जैसे - राजगृह, कौशल, श्रावस्ती आदि। (2) आर्थिक गतिविधियाँ - वस्तु विनिमय प्रणाली भी एक कारक बनी जैसे - उज्जैन महत्वपूर्ण शहरी केन्द्र था। (3) लौह प्रौद्योगिकी का उपयोग - लौह के हल के उपयोग ने कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। (4) शिल्प का उदय - शिल्प में विशेषज्ञता ने गिल्ड प्रणाली के साथ-साथ विकसित हुई। (5) सिक्कों का प्रयोग - उपयोग ने महत्वपूर्ण काम किया।

प्रश्नः (2.2) (B) सिंधु घाटी सभ्यता में व्यापार एवं वाणिज्य पर प्रकाश डालिए। पू./M = 05 प्राप्तांक

उत्तरः (B) भारत में प्रथम नगरीकरण काल माना जाता है "हड़प्पा सभ्यता का काल"। हड़प्पा कालीन नगरों की समृद्धि का मुख्य स्रोत था - व्यापार-वाणिज्य। सिंधु घाटी सभ्यता में व्यापार के प्रमाण :- 1. मैसोपोटामिया से व्यापार - "उर" बंदरगाह। सारगौन काल में व्यापार होता था, दिलमुन, मगन, मेलूहा से व्यापारिक केन्द्र था। नाव के चित्र का अंकन; मेसोपोटामिया की मुहर। विदेशी व्यापार के प्रमाण - मेसोपोटामिया, मध्य एशिया, फारस की खाड़ी, अफगानिस्तान, ईरान, बहरीन, मिस्र। जलीय मार्ग द्वारा - एक हड़प्पीय मुहर पर सुमेरियन नाव का चित्रांकन मोहनजोदड़ो से मिला है। दिशा सूचक यंत्र लोथल से प्राप्त हुयी है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न मे 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

पू./M = 05
प्राप्तांक

प्रश्नः (2.3) (C) इंडो-इस्लामिक स्थापत्य के बारे में विवरण दीजिए।

उत्तरः (C) भारत में मुस्लिम शासकों की विजय और उनके स्थायी रूप से बस जाने के परिणाम स्वरूप भारतीय उपमहाद्वीप में इंडोइस्लामिक स्थापत्य कला का उद्भव हुआ। तीन भाग हैं—(1) शाही शैली—दिल्ली सल्तनत। (2) प्रांतीय शैली—मांडू, गुजरात, बंगाल, जौनपुर, (3) मुगल शैली—दिल्ली, आगरा, लाहौर (4) दक्कन शैली—बीजापुर, गोलकुंडा।
शाही शैली → मेहराब एवं गुंबद, चौखाने की डिजाइन (मोचक डिजाइन) और पिब ड्रुरा तकनीकों का उपयोग। (2) प्रांतीय शैली—सर शेख की शेख अहमद खट्टू की सफेद संगमरमर से निर्मित दरगाह। (3) मुगल शैली—फतेहपुर सिकरी महल। (4) दक्कन शैली—बीजापुर की जामामस्जिद।

पू./M = 05
प्राप्तांक

प्रश्नः (2.4) (D) मुगलकाल की आर्थिक स्थिति का विवरण दीजिए।

उत्तरः (D) मुगलकाल अर्थव्यवस्था—कृषि:—तुजुक-ए-बाबरी में भारत में सिंचाई व्यवस्था के लिए नहरों का अभाव का उल्लेख मिलता है। शाहजहाँ ने "फैज और शाह" नामक नहर बनवाया।
प्रमुख स्त्रोत—भूराजस्व था। अकबर ने भूमि को चार भागों में बांट दिया था—(1) पोलज (2) परती (3) चाचर (4) बंजर। $\frac{1}{3}$ भूराजस्व था। व्यापार → सूतीवस्त्र उद्योग। ददनी प्रथा, हुण्डी प्रथा प्रचलित थी। सिक्कों का प्रचलन—मुहर। मुगल साम्राज्य पूरी तरह से पूर्व और पश्चिम में स्थित होने के कारण बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर के माध्यम से सिल्क रोड के माध्यम से भूमि के माध्यम से व्यापार होता था।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

प्रश्नः (2.7) (E) दादाभाई नौरोजी का योगदान बताइए।

पू./M = 05

प्राप्तांक

उत्तर (E) नौरोजी एक प्रमुख भारतीय राष्ट्रवादी और भारत में ब्रिटिश राज्य की आर्थिक नीति के आलोचक थे। अपनी पुस्तक- 'पॉवर्टी एंड अन ब्रिटिश रूल इन इंडिया' के माध्यम से उन्होंने 'धन की निकासी के सिद्धांत' को सामने रखा। जिसमें ब्रिटेन के लाभ के लिए भारतीय संसाधनों के शोषण पर प्रकाश डाला। दादाभाई नौरोजी को - "भारत के ग्रैंड ओल्ड मैन" के रूप में जाना जाता है। उन्होंने 1865 में 'लंदन इंडियन सोसाइटी' के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे 1886, 1893, 1906 ⇒ कांग्रेस के अध्यक्ष बने। राष्ट्रवादी चेतना पैदा किया।

प्रश्नः (2.8) (F) गाँधी जी के शुरुआती आंदोलन बताइए।

पू./M = 05

प्राप्तांक

महात्मा गाँधी के प्रारंभिक आंदोलन - (1) चंपारण

उत्तर (F) आंदोलन (1917) - स्वतंत्रता संग्राम में गाँधी जी का यह पहला सविनय अवज्ञा आंदोलन था। कारण - अत्यधिक लगान लिया जाना ब्रिटिशों द्वारा। तिनकठिया पद्धति को समाप्त इसका मूल उद्देश्य था। इसी से लोगों ने गाँधी को - बापू और महात्मा नाम दिया। खेड़ा सत्याग्रह (1918) - नेतृत्वकर्ता - गाँधी के मार्गदर्शन में - सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया। कारण - लगान। अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918) यह एक औद्योगिक विवाद था। माँग - 35% वृद्धि की मांग वेतन में (मजदूरों द्वारा) परिणाम - यह माँग सफल रही।

Scanned with OKEN Scanner

(7)

कौटिल्य एकेडमी

MAINS / PAGE - 9

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है।

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks. 08x05=40

प्रश्नः (2.5) (G) बघेल रियासत का स्थापत्य बताइए ?

पू./M = 05

प्राप्तांक

उत्तर (G) बघेल वंश की स्थापना (राजा व्याघ्रदेव) ने की थी। जो गुजरात के सोलंकी राजवंश के वीरधवल के पुत्र थे।

बघेल रियासत का स्थापत्य → भवन मंदिर और छतरियाँ कुल्हारदेव द्वारा "गहोरा" में राजभवन तथा कुलदेवी शीतला माता का मंदिर बनवाया गया। रीवा के किले में महामृत्युंजय नाथ मंदिर। रानी तालाब [रानी कुंवर रानी ने बनवाया] केवटी दुर्ग – महानन्दी (हमीरदेव) मैहर दुर्ग – राजा भैरवचन्द्र रुद्रप्रताप ने विस्तार। बांधवगढ़ दुर्ग, सोहावल दुर्ग, सोहागपुर गढ़ी आदि स्थापत्य है।

प्रश्नः (2.6) (H) नजर मोहम्मद खाँ पर टिप्पणी लिखिए।

पू./M = 05

प्राप्तांक

उत्तर (H) वजीर मुहम्मद खान का पुत्र था। ये भोपाल रियासत के नवाब थे। इन्होंने 1818 में ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसके परिणाम स्वरूप 'भोपाल' एक रियासत बन गया। ये 1816 से 1819 तक सत्ता में रहे। इन्होंने गौहर बेगम से शादी की। जिन्हें (कुदसिया) भी कहा जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आतंरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.1) (I) राजा भोज की सांस्कृतिक उपलब्धियों का विवरण दीजिए।

उत्तर : (I) भारतीय इतिहास में परमार राजा भोज की ख्याति उसकी विद्वता तथा विद्या एवं कला के संरक्षक के रूप में अधिक है।

राजा भोज की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

सरस्वती मंदिर (धारानगरी) संस्कृत विद्यालय भोजसर (तालाब)।

राजा भोज की रचनाएँ – सरस्वती कण्ठाभरण, शृंगार प्रकाश, प्राकृत व्याकरण, कूर्मशतक, भोजचंपू, समरांगणसूत्रधार, तत्वप्रकाश, राजमृगांक आदि।

दरबारी कवि – भास्करभट्ट, दामोदर मिश्र, धनपाल प्रमुख थे।

प्र० (J) मध्य प्रदेश की जनजातियों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन।

उत्तर (J) मध्य प्रदेश पूरे भारत में जनजाति आदिवासी में प्रथम स्थान पर है। जनजातियों में विभिन्न प्रकार की संस्कृति देखने को मिलती है इनमें कुछ प्रमुख है- गोंड जनजाति की प्रमुख संस्कृति

⇒ घोटुल प्रथा का बहुत ही फेमस है।

जैसे कोरकु भील पिथ इनका बहुत ही फेमस है ये लोग अपनी संस्कृति को बचाने के लिए विभिन्न प्रकार के चित्रों को उकेरते रहते है विभिन्न प्रकार की भाषा बोली, आदि के माध्यम से इनकी संस्कृति के बारे में जाना जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आतंरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.2) जैनधर्म के सीमित प्रसार के कारण बताइए?

(A)

उत्तर : जैनधर्म श्रमण परम्परा से निकला है तथा इसके प्रवर्तक है 24 तीर्थंकर जिनमें प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) तथा अन्तिम तीर्थंकर महावीर स्वामी हैं। श्वेताम्बर तथा दिगंबर जैनधर्म के दो सम्प्रदाय है। ग्रंथ - समयसार तथा तत्वार्थ सूत्र है। जिनालय या मन्दिर प्रार्थनास्थल है।

जैनधर्म के सीमित प्रसार के प्रमुख कारण-

☆ अधिकांश पुरुषों और महिलाओं के लिए मुख्य सिद्धांतों (या नियमों) का सख्ती से पालन करना बहुत मुश्किल था, जैसा कि जैनधर्म के संस्थापकों और प्रचारकों द्वारा वांछित था।

☆ फिर भी जैनधर्म द्वारा प्रचारित जीवन के नए तरीके को सीखने और सिखाने के लिए हजारों ने अपना घर छोड़ दिया। कई और लोग पीछे रह गए और इन लोगों का समर्थन जो भिक्षु और नन बनगए थे उन्हें भोजन प्रदान कररहे थे।

☆ जैन धर्म को मुख्य रूप से व्यापारियों का समर्थन प्राप्त था। किसान (भारत की आबादी का मुख्य भाग) जिन्हें अपनी फसलों की रक्षा के लिए कीड़ों को मारना पड़ा, उनके नियमों का पालन करना

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 3. इस प्रश्न मे 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न मे आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.2) Continued (जारी)

अधिक कठिन हो गया।

☆ जैन मुनियों के लिए यात्रा प्रतिबंध था। किसी भी वाहन का उपयोग करने की अनुमति नहीं थी। वे ज्यो भी दुरी तय करते थे पैदल ही करते थे इसलिए उनका प्रसार- प्रचार अन्य देशों मे कम ही हो पाया।

☆ जैन धर्म की गंभीरता, कठोर तपस्या की प्रथा ने इसके कम प्रसार मे एक शक्तिशाली कारक के रूप मे काम किया। जैन कठोर तपस्या और आत्महत्या का अभ्यास करते है। महावीर ने मृत्यु की प्राप्ति के लिए शारीरिक कष्टों का अभ्यास किया।

कठोर प्रथाओं को लोगों ने नापसंद किया और उन्होंने खुद को इससे अलग कर लिया।

☆ प्रचारको की कमी - जैन कार्यकर्ताओं मे मिशनरी उत्साह का अभाव था वे गाँवों और कस्बों मे धर्म का प्रचार करने के लिए उत्साहित नही थे। इसलिए लोगों के बीच उत्साह की कमी देखी गई।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.3) गंगा – जमुनी तहजीब की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?

(3.B)

उत्तर (3.B)

गंगा जमुनी तहजीब का आशय भारत की समन्वित संस्कृति से है। दरअसल मध्यकालीन भारत में गंगा के मैदान में आकार इस्लामिक पश्चिम एशिया के विपरीत भारतीय संस्कृति को पचाने में कामयाब नहीं हो पाई उल्टा वह इससे प्रभावित हुई। उसी तरह हिन्दू धर्म में कुछ नवीन तत्वों का आगमन हुआ।

इस साझी संस्कृति की विरासत के वाहक अमीर खुसरो प्रासंगिक है।

सभ्यता की प्रमुख विशेषता – ★ जिस प्रकार से गंगा एवं जमुना के मिलने से एक बहुत ही महत्वपूर्ण तीर्थ का निर्माण हो जाता है (संगम)। उसी प्रकार से गंगा–जमुनी तहजीब से भारत की सांस्कृतिक सभ्यता को चारचांद लग गया

★ गंगा – जमुनी तहजीब या तो समन्वित भारत – फारसी सभ्यता या विशिष्ट हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को व्यक्त करती है।

★ तहजीब – भाषा, साहित्य, मनोरंजन, पोशाक, शिष्टाचार, विश्वदृष्टि, कला-वास्तुकला और व्यंजनों में शामिल है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 3 इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All questions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.3) Continued (जारी)

☆ कला व वास्तुकला उदाहरण - मुस्लिम मूर्तिकार दुर्गा की मूर्तियाँ बनाते हैं और हिंदू शिल्पकार - मुहर्रम की ताजिया बनाते हैं।

☆ भाषा - साहित्य में विशेषता - भारत - गंगा के मैदानों पर इस्लामी विजय के साथ, दिल्ली शहर और यमुना नदी के आसपास का क्षेत्र फारसी राजवंशों की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी बन गया। गोलकुंडा के सुल्तान मुहम्मद कुली कुतुब शाह, बीजापुर के सुल्तान इब्राहिम आदिल शाह-II और वली मोहम्मद दक्कनी के महत्वपूर्ण लेखक थे। अवधी में कबीर दास, तथा मलिक मोहम्मद मोहम्मद जायसी की पद्मावत आदि उदाहरण है गंगा-जमुनी तहजीब के।

☆ पोशाक → शेरवानी, जामा, टोपी, कुर्ता, दुपट्टा, सलवार, कमीज आदि कुछ ऐसी पोशाकें हैं जो इस सभ्यता को दर्शाती हैं।

☆ नदियों का मिलना भी गंगा-जमुनी तहजीब को दर्शाता है - इसका प्रमुख उदाहरण है सिंधु नदी तंत्र - जो भारत से होते हुए पाकिस्तान में जल को लोगों तक पहुँचाती है। इस प्रकार से यह सभ्यता बहुत ही मजबूत सभ्यता है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.1) (3.C) "खिलाफत आंदोलन" में गांधी जी की ऐतिहासिक भूल थी, "समालोचनात्मक" मूल्यांकन करें ?

उत्तर : (3.C) उ० → खिलाफत आंदोलन-(मार्च 1919- जनवरी 1921)

मार्च 1919 में बम्बई में एक खिलाफत समिति का गठन किया गया था। मोहम्मद अली और शौकत अली व-हुओं के साथ-साथ अनेक मुस्लिम नेताओं ने इस मुद्दे पर महात्मा गांधी के साथ चर्चा शुरु की।

सितम्बर 1920 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गांधी जी ने भाग लिया। यह आंदोलन सन् 1919 में लखनऊ से शुरु हुआ था।

गांधी जी की भूमिका और खिलाफत आंदोलन का उद्देश्य- मई 1919 से खिलाफत सभाओं में गांधी जी के भाषण शुरु हुए। 17 अक्टूबर 1919 को खिलाफत दिवस मनाया। गांधी जी ने शुरु प्रचार किया। दिल्ली में 23 नवम्बर 1919 को अखिल भारतीय खिलाफत कांग्रेस हुई जिसकी अध्यक्षता गांधी जी ने की।

उद्देश्य- यह मुद्दा भारतीय मुसलमानों द्वारा शुरु की गयी थी जिसका उद्देश्य तुर्की में इस्लाम के खलीफा सुल्तान की गद्दी और उसका साम्राज्य बचाना था।

① खिलाफत आंदोलन के पूरे हुए 100 साल पर डॉ आंबेडकर ने अपनी पुस्तक थॉट्स ऑन पाकिस्तान (1940) में लिखा- असहयोग आंदोलन का उद्गम खिलाफत आंदोलन

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है।

04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.1) Continued (जारी)

से हुआ न कि स्वराज्य के लिए कांग्रेसी आंदोलन।

❖. गांधी जी ने लिखा था कि तुर्की का दावा न्यायपूर्ण हो

❖. जिन्ना ने भी कहा था कि खिलाफत पुराने जमाने की चीज है।

❖. गांधी जी गलत उद्देश्य के लिए अनैतिक काम कर रहे थे — कांग्रेस नेता और विहार केएम मुंशी के अनुसार — अधिकांश नेता मानते थे यह उद्देश्य गलत था।

❖. हिंदुओं को इस्लामी रंग का शिकार बनाया गया।

खिलाफत आंदोलन से लाभ - खिलाफत आंदोलन का मुद्दा सीधे तौर पर भारतीय राजनीति से नहीं जुड़ा था, लेकिन इसने आंदोलन को तत्काल एक घोषित उद्देश्य प्रदान किया तथा ब्रितानियों के खिलाफ हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत करने का लाभ छोड़ा।

खिलाफत आंदोलन के परिणाम - अखिल भारतीय खिलाफत कमेटी ने जमियत उल-उलेमा के सहयोग से खिलाफत आंदोलन का संगठन किया तथा मोहम्मद अली ने 1920 में खिलाफत घोषणापत्र प्रसारित किया। राष्ट्रीय आंदोलन खिलाफत आंदोलन तथा असहयोग आंदोलन एक रूप हो गया। इस प्रकार गांधी के इस आंदोलन से मिश्रित लाभ-हानि प्राप्त हुयी।

Scanned with OKEN Scanner

15

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.4) 3.D 1857 के विद्रोह में मध्यप्रदेश की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर : 3.D 1857 की महान क्रांति की अग्नि मध्यप्रदेश में 3 जुन 1857 को सर्वप्रथम तत्कालीन मध्य भारत क्षेत्र के नीमच से प्रज्ज्वलित हुई। नीमच में अंग्रेज कर्नल एबी. सी. सोबर्स ने विद्रोह समाप्त करने का प्रयास किया।

1857 की क्रांति का प्रभाव संपूर्ण मध्यप्रदेश के नर्मदासागर क्षेत्र (महाकौशल) बघेलखण्ड एवं बुंदेलखण्ड तथा भोपाल रियासत के अंतर्गत देखा जा सकता है। मध्यप्रदेश के इंदौर में महू क्षेत्र में विद्रोह का नेतृत्व (सआदत खान) वहां भोपाल एवं भागीरथ सिलावट ने किया था।

धार जिले की अमझेरा (रियासत) से राजा बख्तावर सिंह अमझेरा (मालवा के प्रथम शहीद) ने विद्रोह किया।

बुंदेलखण्ड में 1842 में ब्रिटिशों के खिलाफ बुंदेला विद्रोह हो चुका था। सागर में शेख रमजान के नेतृत्व में विद्रोह भड़क उठा था। महाकौशल क्षेत्र में शंकरशाह और उनके पुत्र रघुनाथ शाह ने गढ़ा मंडला, राजा ठाकुर प्रसाद ने राघवगढ़, श्री बहादुर और देवी सिंह ने मंडला तथा जमींदार नारायण सिंह ने रायपुर से 1857 का विद्रोह किया।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.4) Continued (जारी)

1857 के विद्रोह के महान योद्धा तात्या टोपे ने भी गुरिल्ला युद्ध पद्धति से अंग्रेजों को भारी क्षति पहुंचायी।

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने तात्या टोपे के साथ मिलकर ग्वालियर किले पर आक्रमण किया था।

रामगढ़ की रानी अवंतीबाई और उनकी अंगरक्षिका गिरधारी बाई ने महान विद्रोह किया था।

1857 की क्रांति में मध्यप्रदेश के जनजातीय व्यक्तित्व के अन्तर्गत :- खरगोन से टंट्या भील, मंडलेश्वर से भीमा नायक, नरसिंहपुर से डेलनशाह, रीवा रियासत से ठाकुर रणमत सिंह आदि ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) की क्रांति में भागीदारी की थी।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत व तत्कालीन मध्यप्रदेश के ब्रिटिश प्रांत एवं देशी रियासतों में ईस्ट इंडिया कंपनी की निरंतर साम्राज्य विस्तार एवं आर्थिक लाभ प्राप्त करने की शोषणकारी नीति, लगान व्यवस्था, आदि कारणों से जनता में असंतोष को जन्म दिया जो 1857 की क्रांति का आधार बनी।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न मे 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। 04x05=20

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्न: (3.E) यशवंत राव होल्कर मध्यभारत के नेपोलियन थे, मूल्यांकन कीजिए?

उत्तर: (3.E)

महाराजा यशवंत राव होल्कर तुकोजीराव होल्कर के पुत्र थे। जन्म- 3 दिसंबर 1776 (मराठा साम्राज्य)
मृत्यु- 1811 (भानपुरा)।
राज्याभिषेक - 1799।

मध्यभारत के नेपोलियन का नामकरण कैसे हुआ-

1802 में महाराजा यशवंतराव होल्कर ने पेशवा तथा सिंधिया की सम्मिलित सेना को पूर्ण तरह पराजित किया जिससे पेशवा ने बसई भागकर अंग्रेजों से संधि की (31 दिसम्बर 1802)। फलस्वरूप द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध छिड़ गया।

8 जून 1804 ईस्वी को उन्होंने पहली बार अंग्रेजी सेना को अकेले दमपर पराजित किया। 15 सितम्बर 1804 ईस्वी को अंग्रेज जनरल वैलेस्ली ने लार्ड-ल्यूक को पत्र लिखा यशवंत राव होल्कर पर अगर काबू नहीं पाया गया तो अंग्रेजों को भारत से खदेड़ देंगे।

यशवंत राव होल्कर का एकमात्र उद्देश्य था- अंग्रेजों को भारत से खदेड़ना।

महाराजा यशवंत राव होल्कर ने 1803 में अपना पहला स्वतंत्रता संग्राम

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 4. इस प्रस्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2, Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

~~प्रश्न (4.1)~~ ~~प्रकरण अध्ययन (case Study)~~

शुरु किया। वह एक प्रतिभाशाली सैन्य नेता थे। अंत में भरतपुर की लड़ाई महाराजा यशवंतराव होल्कर की अंतिम सफलता और दक्षता स्थापित हुई और इस लड़ाई से उन्हें "भारत के नेपोलियन" की उपाधि दी गयी।

यशवंत राव होल्कर एक ऐसे भारतीय शासक थे जिन्होंने अकेले दम पर अंग्रेजों को नाकों चने चबाने पर मजबूर कर दिया था। इकलौता ऐसा शासक जिसका खौफ अंग्रेजों में साफ-साफ दिखता था। एकमात्र ऐसा शासक जिसके साथ अंग्रेज हर हाल में बिना शर्त समझौता करने को तैयार थे। एक ऐसा शासक जिसे अपनों ने ही बार-बार धोखा दिया फिर भी जंग के मैदान में कभी हिम्मत नहीं हारी।

इस महान साहस, गुण, पराक्रम, शौर्य, सहनशीलता और विकट परिस्थितियों में भी विपक्षी को परास्त करने की प्रबल शक्ति के कारण ही विख्यात इतिहासकार भारती एन. एस. इनामदार ने इनकी तुलना "नेपोलियन" से की है।

एक ऐसा शासक जिस पर अंग्रेज अधिकार नहीं जमा सके।

Scanned with OKEN Scanner

PART-B ①

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। 04x05=20

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2, Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्नः (4.1) 1. (A) जिग-सॉ-फिट क्या है ?

1. (A) उत्तरः जिग-सॉ-फिट- (महाद्वीपों का मिलान) दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के समुद्र तटों का उदाहरण है।

(1.B) प्रश्न- भू-सन्नति।
भू-सन्नतियों को वर्तमान स्थलखंडों का उद्गमस्थल कहा जा सकता है। साधारण अर्थ में भूसन्नति से अभिप्राय जलपूर्ण-गर्त से लिया जाता है जिनमें तलछट का जमाव होता रहता है। मोड़दार पर्वतों का निर्माण (उदाहरण है)।

(1.C) प्र० अभिनतीय झील।
विवर्तनिकी हलचलों, ज्वालामुखी क्रियाओं तथा विभिन्न अपरदन तथा निक्षेपण के कारकों से बनती है। अभिनतियों में निर्मित रिफ्ट घाटियों में बनी झील, अवशिष्ट झील जो पृथ्वी धसने से बनती है (लोनार झील)।

(1.D) प्र०- मिकिर की पहाड़ियां।
असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के दक्षिण में स्थित पहाड़ियों का एक समूह बनाती है। ये कार्बी आंगलोंग पठार का हिस्सा है। चोटी - डंबुचको है।

(1.E) प्र०- थालघाट एवं भोरघाट।
थालघाट- यह प्रायद्वीपीय भारत का प्रमुख दर्रा है। यह पश्चिमी घाट (सह्याद्रि) में स्थित है। इससे होकर मुम्बई-कोलकाता मार्ग गुजरता है।
भोरघाट:- यह महाराष्ट्र के लोनावाला में है यह भी पश्चिमी घाट सह्याद्रि पर्वत का भाग है। (मुम्बई-पुना मार्ग)।

Scanned with OKEN Scanner

(2)

कौटिल्य एकेडमी

MAINS / PAGE - 22

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.1) (a) (1.F) पंचप्रयाग।

(1.F) उत्तर: उत्तराखंड में पंच प्रयाग है- विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग।

(1.G) प्र०- विंध्याचल पर्वत श्रेणी।
देश- भारत राज्य- उ०प्र०, म०प्र०, गुजरात, बिहार राज्यों में फैली है। 1,086 Km विस्तार। नदियाँ - चंबल, बेतवा, केन, टोंस, तमसा, कालीसिंध, सोन, पार्वती। चोटी- अमरकंटक।

(1.H) प्र०- अमरकंटक से निकलने वाली नदियाँ।
नर्मदा नदी, सोन नदी, और जोहिला नदी का उद्गम स्थान है। मैकाल की पहाड़ियों में स्थित अमरकंटक मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में हिंदू तीर्थस्थल है।

(1.I) प्र०- चंबल नदी पर स्थित प्रमुख जल प्रपात।
चूलिया जल प्रपात- भैंसरोडगढ़ के निकट है। राजस्थान जिले में है। ऊँचाई 18m है।

(1.J) प्र०- वाटर फुटप्रिंट।
यह पानी के उपयोग के विनियमन का एक उपाय है जो मानव के जल उपभोग की मात्रा घनमीटर / प्रतिव्यक्ति / प्रतिवर्ष के संदर्भ में बताता है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four) Marks

04x05=20

प्रश्न: ~~(4.2)~~ (1.K) ~~प्रकरण अध्ययन (Case Study)~~

(1.K) जलशक्ति मंत्रालय।
गठन - मई 2019
पुरानानाम - जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय। उद्देश्य - हर घर नल से जल पहुँचाना।

(1.L) प्र०- जैविक ऑक्सीजन मांग → जैव ऑक्सीजन मांग (BOD) से जल प्रदूषण का भौतिक, रासायनिक एवं जैविक आधारों पर मूल्यांकन तथा निर्धारण किया जाता है।

(1.M) प्र०- प्रकाश स्पेक्ट्रम।
दृश्य प्रकाश का किसी प्रिज्म से गुजरने पर अलग-अलग आवृत्तियों का अलग-अलग रास्ते पर जाना ही स्पेक्ट्रोस्कोपी कहलाता है। आइजेक न्यूटन ने बताया था।

(1.N) प्र० डिजिटल नंबर।
संख्यात्मक अंक - अंक आधारित नंबरिंग सिस्टम की सामान्य अवधारणा विशिष्ट डिजिटल नंबर सिस्टम. जैसे - बाइनरी अंक प्रणाली, अल्प मूल्यांकन दशमलव, हिस्सा, ये एनालॉग-टू-डिजिटल Conversion से बनते है।

(1.O) प्र० जियो टैगिंग - ये मेटाडेटा के रूप में Geographic जानकारी को विभिन्न मीडिया में जोड़ने की जानकारी की प्रक्रिया है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2, Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks

04x05=20

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्न: ~~(4.2)~~ (2)
2. (A) सागर नितल प्रसरण क्या है ?

उत्तर: 2. (A) यह एक भू वैज्ञानिक संकल्पना है जिसमें यह उपमिकल्पित किया गया है कि स्थलमण्डल समुद्री कटकों के सहारे प्लेटों में टूट कर इस कटकीय संधि के सहारे सरकता है और इसके टुकड़े एक दूसरे से दूर हटते हैं तथा यहाँ नीचे से मैग्मा ऊपर आकर नए स्थलमण्डल का निर्माण करता है।

(2.B) प्र० - नदीय अपरदन द्वारा निर्मित भू-आकृतियाँ ?

- घाटियाँ - क्षुद्रसरिताएँ धीरे-धीरे लम्बी व विस्तृत अवनलिकाओं में परिवर्तित हो जाती हैं ये अवनलिकाएँ धीरे-धीरे गहरी, चौड़ी, व लम्बी घाटियों का रूप धारण करती है।
- जलगर्तिका तथा अवनमित कुंड - पहाड़ी क्षेत्रों में नदी तल में जल भंवर के साथ घूमते है।

(1) जल प्रपात 2. नदी वेदिकाएं 3. नदी कर्तित विसर्प या गभीरीभूत विसर्प आदि हैं।

(2.C) प्र० - धारवाड़ क्रम की चट्टानों पर टिप्पणी करें ?

धारवाड़ चट्टान अपक्षय एवं अपरदन से निर्मित प्रथम तलछटी चट्टाने है।

→ कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश, असम, कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश में इनका विस्तार है।

→ ये चट्टाने आर्कियन समूह की चट्टानों का ही अवशेष है।

→ आर्थिक दृष्टि से ये बहुत ही महत्वपूर्ण है।

→ इसमें धातुओं एवं खनिजों की उपस्थित पायी जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। 04x05=20

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्नः ~~(4.2) (3)~~ (2.D) प्र०- भारत के हुगली बेसिन में जूट मिलों का केन्द्रीकरण क्या है ?

उत्तरः भारत के जूट उद्योग में प० बंगाल का प्रथम स्थान है। 102 कारखाने यहीं पर है। हुगली नदी के दोनों किनारों पर है। रिसरा से नईहाटी तक विस्तृत 89 km लम्बी पट्टी में इस उद्योग का केन्द्रीकरण हो गया है। प्रमुख केन्द्र - श्रीरामपुर, बजबज, हावड़ा, आगरपाड़ा, बैरकपुर, बेलूर, टीटागढ़ आदि प्रमुख केन्द्र है।

(2.E) प्र०- मध्यप्रदेश की खनिज संपदा पर टिप्पणी कीजिए।

खनिज सम्पदा की दृष्टि से मध्यप्रदेश राष्ट्र के आठ खनिज खनिजराज्यों में से एक है। 20 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं। MP में खनिज नीति 1995 में घोषित की गई। खनिज निगम की स्थापना 1962 में की गयी। भंडारण में 3rd व उत्पादन में 9th पर है। नवीनतम खनिज नीति 2010 में घोषित की है। हीरा, मैंगनीज 1st पर है।

(2.F) प्र०- मध्यप्रदेश की कृषि जलवायु प्रदेश ?

मध्यप्रदेश में 11 कृषि जलवायु क्षेत्र है। राज्य को 5 फसल क्षेत्र में विभाजित किया जाता है।
कृषि जलवायु क्षेत्र - 1. छत्तीसगढ़ के मैदान 2. छत्तीसगढ़ का उत्तर पहाड़ी क्षे० 3. कैमूर पठार और सतपुड़ा पहाड़ियां 4. मध्य नर्मदा घाटी 5. विंध्य का पठार 6. गिर क्षेत्र 7. बुंदेलखंड 8. सतपुड़ा पठार 9. निमाड़ घाटी 10. गिर्द क्षेत्र 11. झाबुआ हिल्स।

Scanned with OKEN Scanner

(6)

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2, Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

प्रश्नः (4.2) (4) पू./M = 4 प्राप्तांक

(2.G) जल प्रबंधन एवं संरक्षण के समक्ष चुनौतियों का वर्णन करें ?

(2.G) उत्तरः

1. स्थानीय जल स्त्रोत का रकबा, योजना और जल सुरक्षा कानूनों के संबंध में जन जागृति का अभाव।

2. जल स्त्रोतों की भूमि के चिन्ही करण और अधिसूचित करने की प्रक्रिया का न अपनाया जाना।

3. भूजलसंचयन, प्रदूषण नियंत्रण कानूनों का पंढली से पालन न करना।

(2.H) प्र0- भौम जल प्रदूषण के मुख्य कारक क्या हैं ?

(1) प्राकृतिक स्त्रोत - सल्फेट, लौहा, क्लोराइड, आर्सेनिक, फ्लोराइड आदि भौम जल को प्राकृतिकरूप से प्रदूषित करते हैं।

(2) सेप्टिक सिस्टम - जाइट्रेट्स, तेल, बैक्टीरिया, रसायन, डिटर्जेंट, वायरस आदि।

(3) खतरनाक अपशिष्ट निपटान - मोटरतेल, पेंट, उद्यान रसायन फोटोग्राफिक रसायन आदि।

(4) पैट्रोलियम उत्पाद - पैट्रोलियम रिसाव भी कारण है।

(2.I) प्र0- रिमोट सेंसिंग के चरण बताइए ?

इस प्रक्रिया में कई चरण होते हैं उनमें से प्रत्येक सफल संचालन के लिए महत्वपूर्ण है।

(1) ऊर्जा स्त्रोत पारोशनी (2) विकिरण और वायुमंडल (3) लक्ष्य के साथ परस्पर क्रिया (4) सेंसर द्वारा ऊर्जा की रिकॉर्डिंग (5) ट्रांसमिशन रिसेप्शन और प्रोसेसिंग (6) व्याख्या और विश्लेषण (7) एप्लिकेशन ये सात चरण होते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

(7)

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2, Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks. 04x05=20

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्नः ~~(4.2).(5)~~ 2. J भू-तुल्यकालिक उपग्रह क्या है? उदाहरण दीजिए।

2. J

उत्तरः पृथ्वी के चारों ओर परिक्रमा कर रहे किसी उपग्रह का वह वृत्तीय पथ (कक्षा) जिस पर वह पृथ्वी के समान ही 24 घंटे में परिक्रमा करता है। तब इसके घूर्णन की दिशा पश्चिम से पूर्व ही होती है तो इस प्रकार की कक्षा को भू-तुल्यकालिक कक्षा कहते हैं। तथा इस कक्षा में परिक्रमण कर रहे "उपग्रह" को भू-तुल्यकालिक उपग्रह (geo Synchronous Satellite कहते हैं)।

Scanned with OKEN Scanner

(8)

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। 04x05=20

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्नः ~~(4.2) (2)~~ (3.A) उष्ण व शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों में अंतर स्पष्ट कीजिए?

(3.A) उत्तरः उष्ण कटिबंधीय चक्रवात तथा शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात में अंतर है (1) उत्पत्ति के आधार पर- उष्ण कटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति ऊष्मीय है क्योंकि इसकी उत्पत्ति समुद्र में सूर्यताप के कारण समुद्र के जल के वाष्पीकरण के कारण होता है जबकि समशीतोष्ण चक्रवात की उत्पत्ति गतिशील होती है क्योंकि यह दो वायु राशियों के सीमा पर वायुराशियों के तापमान और दबाव के अंतर के कारण उत्पन्न होता है।

स्थान के आधार पर- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति दोनो गोलार्द्धों में 10 डिग्री से 30 डिग्री अक्षांश के बीच होती है। उत्पत्ति केवल गर्म महासागर में होती है। जबकि समशीतोष्ण चक्रवात 30 डिग्री अक्षांश से परे उच्च अक्षांशों मे उत्पन्न होते है और भूमि और महासागर दोनो मे उत्पन्न हो सकते है।

ऊर्जा स्रोत के आधार पर- वाष्पीकरण को गुप्त ऊष्मा उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का मुख्य स्रोत है जबकि दो अलग-अलग वायुराशि की परस्पर क्रिया समशीतोष्ण चक्रवातों का मुख्य स्रोत है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Quc. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

प्रश्नः (4.2).(3)

पू./M = 4

प्राप्तांक

उत्तरः

लक्षण और प्रभाव के आधार पर – उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों का व्यास (100-300KM) समशीतोष्ण चक्रवात (व्यास-1000-1500KM) की तुलना से कम है।

⇒ उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की हवा की गति समशीतोष्ण चक्रवात की तुलना में बहुत तीव्र होती है इसलिए उष्णकटिबंधीय चक्रवात समशीतोष्ण चक्रवातों की तुलना से अधिक नुकसान पहुँचाते हैं।

⇒ उष्ण कटिबंधीय चक्रवात उत्तरी गोलार्द्ध में पूर्व से पश्चिम और दक्षिणी गोलार्द्ध में पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हैं, जबकि शीतोष्ण चक्रवात उत्तरी गोलार्द्ध में पश्चिम से पूर्व की ओर दक्षिणी गोलार्द्ध में पूर्व से पश्चिम की ओर बहते हैं।

अक्षांश के आधार पर – भूमध्य रेखा के 10-30 डिग्री N और S तक सीमित होते उष्णकटिबंधीय। जबकि भूमध्य रेखा के 35-65 डिग्री N और S तक सीमित। ये उत्तरी गोलार्द्ध में अधिक स्पष्ट होते हैं।

वाताग्र प्रणाली – उष्ण कटिबंधीय चक्रवात में यह अनुपस्थित होता है जबकि शीतोष्ण में वाताग्र के कारण होता है। ये भारत में बहुतायत आते (उष्णकटिबंधीय) उदाहरण – अम्फान चक्रवात।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंको का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section, as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks. 04x05=20

प्रश्न: ~~(4.2) (1)~~ (3.B) भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर महत्व एवं संभावनाओं का वर्णन करें?

पू./M = 4

प्राप्तांक

(3.B) उत्तर:

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का तात्पर्य ऐसी गतिविधियों से है जिसमें प्राथमिक कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण कर उनका मूल्यवर्धन किया जाता है। जैसे - डेयरी उत्पाद, दुग्ध, फल तथा सब्जियों का प्रसंस्करण, पैकेट बंद भोजन तथा पेय पदार्थ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के अंतर्गत आते हैं।

भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की संभावनाएँ:

⇒ चीन के बाद भारत खाद्य पदार्थों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। साथ ही वैश्विक स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण की दृष्टि से - केला, आम, दुग्ध जैसी उत्पादन में भी भारत को प्रथम स्थान प्राप्त है। यह दर्शाता है कि कच्चे माल की उपलब्धता की दृष्टि से भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

⇒ इसके अलावा एक बड़ी जनसंख्या तथा बढ़ती हुई आर्थिक समृद्धि के कारण भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध है। नगरीकरण में वृद्धि के कारण भारत में रेडी टू ईट वस्तुओं की मांग बढ़ रही है।

⇒ सस्ते श्रम बल की उपस्थित के कारण भी भारत में खाद्य प्रसंस्करण अपेक्षाकृत कम

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks. 04x05=20

~~प्रश्न (4.2)~~ प्रकरण अध्ययन (case Study)

कीमत पर किया जा सकता है। इसलिये वैश्विक व्यापार में भारत को लाभ हो सकता है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का महत्व ⇒

⇒ खाद्य पदार्थों की उत्तरजीविता बढ़ेगी।

⇒ कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी जिससे किसानों की आय दोगुनी करने में मदद मिलेगी।

⇒ भारत के संसाधन लाभ –

⇒ रोजगार में वृद्धि।

⇒ प्रवासन पर अंकुश।

⇒ खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश।

⇒ फसल विविधीकरण।

⇒ मांग समता। वृद्धि होने की महत्वपूर्ण संभावना है।

यदि किसी देश में अच्छा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रयाप्त है यह समग्र रूप से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी।

अच्छा आपूर्ति श्रृंखला लिंक किसानों, निर्माताओं थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को मदद करती है। आपूर्ति श्रृंखला लिंक में सभी को तथ्य दर पर सही समय पर और सस्ती कीमत पर इनपुट मिलेगा। इस प्रकार से खाद्य प्रसंस्करण बहुत ही महत्वपूर्ण उद्योग है।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्नः ~~4.1.(4)~~ 3.C मध्य प्रदेश के सीमेंट उद्योग का वर्णन करें?

3.C उत्तरः सीमेंट उद्योग एक ऐसा उद्योग जिसके विकास हेतु सभी अनुकूल दशाएँ जैसे - कोयला एवं चूने के पत्थर की सुलभता, पूंजी, परिवहन एवं शासकीय नीतियों के सहयोग आदि आवश्यकता होती है और ये सभी दशाएँ मध्यप्रदेश में मौजूद है।

मध्यप्रदेश सीमेंट उत्पादन में अग्रणीराज्य है, जहाँ सन् 1922 में मुरैना जिले के बानमोर में ACC के स्वामित्व में प्रथम सीमेंट फैक्टरी स्थापित की गई। जहाँ अविभाजित मध्यप्रदेश में 24 सीमेंट कारखाने थे वही विभाजन के पश्चात इसमें से 8 फैक्ट्री छत्तीसगढ़ राज्य में चली गई।

मध्यप्रदेश में सीमेंट उद्योग → 1. बानमोर सीमेंट संयत्र - ACC के स्वामित्व द्वारा फैक्ट्री से आर्द्र प्रौद्योगिकी विधि से पोर्टलैंड सीमेंट का उत्पादन होता है। चूनापत्थर (कैमूर खान से प्राप्त होता है।

2. मैहर फैक्ट्री → सन् 1980-81 में स्थापित इस फैक्ट्री का उत्पादन क्षमता लगभग 75000 मीट्रिक टन है।

3. सतना सीमेंट वर्क्स → यह निजी क्षेत्र का कारखाना है, स्थापना - बिड़लाग्रुप के द्वारा। यह आर्द्र प्रौद्योगिकी पर आधारित

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्न-(4.1).(5)

उत्तरः कारखाना है। जिसे सोहागपुर तथा उमरिया से कोयला प्राप्त होता है।

धार क्षेत्र — धार में सरदारपुर, जीराबाद व करौंदिया में 5 कारखाने स्थापित किये गए हैं क्यों कि चूना प्रदेशों के निकट अवस्थित है।

4. कैमूर फैक्ट्री :- कटनी के निकट पीटर्सेंड तथा पोरसपमानी में सीमेंट कारखाना स्थापित किया गया है, क्यों कि स्थानीय छूबैस्टप क्षेत्र कारखाने को कच्चा माल प्रदाय करता है।

उपरोक्त कारखाने के अतिरिक्त रीवा, सीधी, मंदसौर, शिवपुरी एवं बालाघाट आदि जिलों में भी सीमेंट उद्योग का संकेन्द्रण पाया जाता है। मध्यप्रदेश का सीमेंट उत्पादन की दृष्टि से प्रथम स्थान है।

राज्य सरकार ने रिलायंस ग्रुप को सतना में (6 करोड़ टन वार्षिक) संयंत्र लगाने की अनुमति प्रदान की है।

सीमेंट उद्योग से संबंधित समस्याएँ एवं मुद्दे :-
1. अधिक पृथ्वी निवेश 2. ऊर्जा संकट 3. ग्रीन हाउस गैसें की कटौती आदि कई प्रकार की समस्याएँ भी है।

Scanned with OKEN Scanner

(14)

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। 04x05=20

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four) Marks.

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्नः (4.2) (4) (3.D) जल संरक्षण की परम्परागत विधियों का वर्णन कीजिए?

उत्तरः वर्षा जल संचयन के पारंपरिक तरीकों में पानी को संग्रहित किया जाता है और भूजल की रिचार्ज करने करने के लिए उपयोग किया जाता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जल संरक्षण के कुछ पारंपरिक तरीके हैं-

राजस्थान - टैंक, खादिन, नाड़ियाँ।
महाराष्ट्र - ताल, बंधे रासी।
कर्नाटक - कट्टाए, हिमाचल प्रदेश - कुल्हएं
उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश - बुंदी।
केरल - सुरंगम।

कुछ महत्वपूर्ण परम्परागत विधियाँ-

1. झालरा → झालरा आमतौर पर आयताकार आकार के बावड़ी होते हैं। ये जोधपुर शहर में दो सबसे पुराना महामंदिर झालरा है।
2. तालाब या बंधी - बुंदेलखंड क्षेत्र के टीकमगढ़ में पौराणियान तालाब या मानव निर्मित जैसे उदयपुर की झीलें।
3. बावड़ी - राजस्थान के शहरों में जल भंडारण के प्राचीन नेटवर्क का हिस्सा है।
4. टंका → टांका एक पारंपरिक वर्षा जल संचयन तकनीक है जो राजस्थान के थार रेगिस्तानी क्षेत्र के लिए स्वदेशी है।

Scanned with OKEN Scanner

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

पू./M = 4

प्राप्तांक

प्रश्नः (क.2).(5)

उत्तरः ①. अहार पायनेस – अहर पाइन्स पारंपरिक बाढ़ जल संचयन प्रणाली है जो दक्षिण बिहार के लिए स्वदेशी है।

②. जोहड़ → जोहड़ भूजल के संरक्षण और पुनर्भरण के लिए उपयोग की जाने वाली सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है

③. पनम केनी → कुरुमा जनजाति पानी जमा करने के लिए एक विशेष प्रकार के कुएं का उपयोग करती है जिसे पनम केनी कहा जाता है।

④. जाबिन → जाबिन कृषि के लिए सतही अपवाह जल की कटाई के लिए डिजाइन किए गए सरल निर्माण है।

⑤. बांस ड्रिप सिंचाई → यह कुशल जल प्रबंधन एक सरल प्रणाली है जो पूर्वोत्तर भारत में प्रचलित है।

⑥ मध्यप्रदेश मे → प्रधानमंत्री मोदी जी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए पद्मश्री महेश शर्मा द्वारा झाबुआ की आदिवासी परंपरा "हलमा" पद्धति का जिक्र किया था।

हलमा पद्धति जनजातियों द्वारा जल संचयन की पारंपरिक विधि है जिसके द्वारा झाबुआ जिले से शुरु की गई।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section. as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

प्रश्न: ~~(4.1)~~ प्रकरण ~~अध्ययन (case Study)~~

(3. E)

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर लेख लिखें ?

उ०- भौसूचना प्रणाली → पृथ्वी की सतह पर स्थिति से संबंधित डेटा को कैप्चर करने, संग्रहीत करने, जांचने और प्रदर्शित करने के लिए एक कंप्यूटर प्रणाली है। जIS एक मानचित्र पर कई अलग-अलग प्रकार के डेटा दिखा सकता है, जैसे- सड़कें, भवन और वनस्पति।

→ एक भौगोलिक सूचना प्रणाली पृथ्वी की सतह पर स्थिति से संबंधित डेटा को कैप्चर करने की महत्वपूर्ण तकनीक है।

भौगोलिक सूचना प्रणाली के घटक-

⇒ डाटा → स्थान डाटा को विषयगत परतों के रूप में संग्रहित करता है।

⊛ हार्डवेयर – हार्डवेयर (जIS) सॉफ्टवेयर चलाता है। यह शक्तिशाली सर्वर मोबाइल फोन या व्यक्तिगत जीआईएस वर्कस्टेशन से कुछ भी हो सकता है।

⊛. सॉफ्टवेयर → आर्कजीआइस और क्यूजीआईएस (जIS) सॉफ्टवेयर में अग्रणी है।

⊛ लोग – सूचना तंत्र से उपलब्ध सूचनाओं और आंकड़ों का उपयोग लोगों (विषय विशेषज्ञों) द्वारा किया जाता है।

⊛. प्रक्रिया – आंकड़ों का प्रत्यानयन, तंत्र मे निवेश, संचय, प्रबंध, रूपांतरण, विश्लेषण बहिर्वेश किया जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप खंड है। उप खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उपखंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा।

Que. 4 This question has 02 (Case Study) sub section, as sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case study have 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (Four). Marks.

04x05=20

~~प्रश्न- (4.1) (1)~~

पू./M = 4

प्राप्तांक

भौगोलिक सूचना तंत्र के उपयोग –

उत्तर: ◊ मैपिंग में – गूगल मैप्स वेब आधारित (GIS) मैपिंग एप्लीकेशन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

◊ दूरसंचार एवं नेटवर्क सेवाएं – संगठन अपने वायरलेस नेटवर्क डिजाइन, अनुकूलन, योजना और रखरखाव गतिविधियों में भौगोलिक डाटा को शामिल कर सकते हैं।

◊ पर्यावरणीय प्रभाव विश्लेषण :- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा के लिए GIS महत्वपूर्ण है।

◊ शहरी नियोजन – (GIS) महत्वपूर्ण भूमिका में है

◊ कृषि अनुप्रयोग – मिट्टी के आंकड़ों का विश्लेषण करने के साथ, GIS डाटा अधिक कुशल कृषि तकनीक बनाने में मददगार है।

(GIS) के फायदे (लाभ) – ◊ इसे उद्योग, वितरण, उत्पादन और दुकानों के स्थान की पहचान के लिए।

⇒ कृषि उत्पादन में कीट नियंत्रण तकनीक सेंसरों में मैपिंग में।

⇒ वेबआधारित नेविगेशन मानचित्र जनता को उपयोगी जानकारी।

⇒ पर्यावरण संरक्षण आदि में (GIS) का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इसकी मदद भी जाती है।

Scanned with OKEN Scanner